Educrat IAS
ACADEMY
India's Best Mentorship for Civil Services

Contact Details: 9163228921/8910154148

GENERAL STUDIES

Name of the Candidate	Saima Khan		
Email ID	[redacted]	Roll No.	
Mobile No.		Date	21/8/23

INDEX TABLE		
Q.No	Max.Marks	Marks Obtained
1	100	50
2	12	05
3	12	05
4	12	05
5	12	05
6	12	05
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
Total Marks		75

INSTRUCTIONS

1. Please write your Name, Email, UPSC Roll No. and Mobile number in the answer sheet
2. There are 20 questions printed in English, all questions are compulsory
3. The number of marks carried by a question or part is indicated against it.
4. Answers must be written in the medium authorized in the admission Certificate (English), which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided.
5. Word limit in questions, if specified, should be adhered to. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be struck off.

Any specific message from Educrat IAS Mentors/Evaluators with respect to your copy? Mentor's Remarks:

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

Start Time:	End Time:
Mode of Examination:	Online ☐ Offline ☐
TEST CODE:	Medium of Examination:

- बीमारी   स्वस्थ - निदान
- मोटापा   - सोच
-              -

संभावना   चुनौती

वातावरण में बदलाव
- तेल, कोयला आदि
- परेशानी : 'उबल रहा है' । धरती
  - आपदा, बाढ़, ग्रीष्म
  - सूखा, तबाही
- नवीनीकरण — सूरज, जल, वायु
- स्वच्छ अनंत,
-                - महंगा
                 - तकनीक
पंचअमृत असीमित - उद्योग
अपरिमित   - जानकारी

1. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 600 शब्दों में निबंध लिखिए : 100

(a) नवीकरणीय ऊर्जा : संभावनाएँ और चुनौतियाँ

(b) संचार क्रान्ति का महत्व

(c) खेलों का बढ़ता व्यवसायीकरण

(d) खान-पान का स्वास्थ्य पर प्रभाव

नवीकरणीय ऊर्जा : संभावनाएँ और चुनौतियाँ

a) समय जैसे - जैसे आगे बढ़ रहा है, हम आज वैसे ही ~~वातावा~~ वातावरण में बदलाव देख रहे हैं। यह कहा जा रहा है कि "धरती उबल रही है"। किंतु ~~जैसा~~ ऐसा क्यूँ ?

मनुष्य ने अपनी सुविधा और बढ़त के लिए कोयला, तेल आदि का उपयोग किया है। हमने इसके कई फायदे तो देखे जैसे उद्योगीकरण, तेज़ सवारी आदि किंतु इसके उपयोग के कारण हमें कई

नई चुनौतियों का सामना भी करना पड़ रहा है। आज बढ़ते हुए वातावरण के कारण धरती मे कई आपदाएँ आ रही है — बढ़ती ग्रीष्म, बाढ़, सुखाड़ आदि। कई लोगों को जानें गई, पेड़ कटे, जानवर मरे — इस कारण से आज दुनिया नवीकरणीय ऊर्जा के तरफ बढ़ रही है।

नवीकरणीय ऊर्जा वह ऊर्जा है जो हमे सूरज, वायु और जल से प्राप्त हो सकती है। यह अनंत है — यह कभी खत्म नहीं होगी और नाहीं इसका वातावरण पर कोई बुरा असर है।

नवीकरणीय ऊर्जा से हमें बहुत सारे फायदे हैं। सबसे पहले तो इसको कोई बुरा असर नहीं है। यह साफ ऊर्जा है। आज जब मनुष्य पर्यावरण बदलाव से जुझ रहा है, नवीकरणीय ऊर्जा एक हल दिखाती है।

यह ऊर्जा कभी खत्म नहीं होने वाली। सूरज की रोशनी हमें सदैव मिलती रहेगी। यदि हम इसका उपयोग कर सके तो हमें ऊर्जा की कमी कभी नहीं होगी।

इस ऊर्जा से पशु-पक्षी को भी कोई नुकसान नहीं है। कोयला निकालने के लिए, पेड़ काटने पड़ते हैं, वन बरबाद होते हैं। किंतु

नवीकरणीय ऊर्जा ~~से~~ ~~कि~~ की कोई ऐसी मांग नही। इस से वन वण सुरक्षित रहते है।

~~परस्थानबर्ष~~ पर्यावरण पर कम नुकसान होने के साथ साथ, नवीकरणीय ऊर्जा वनवासियों को भी फायदा देता है। इस ऊर्जा का उपयोग करने के लिए इन आदिवासियों को जंगल से हताने कि कोई आवशकता नही।

किंतु नवीकरणीय ऊर्जा को प्राप्त करने के लिए, कई चुनौतियों का सामना भी करना पड़ रहा है।

भारत और कई ऐसे देश है जिनके पास आज वह तकनीक नहीं है जिससे वह

आज हम इस ऊर्जा का सही उपयोग नही कर पा रहे है।

किंतु आज देश -विदेश नवीकरणीय ऊर्जा कि ~~तर~~ ओर बढ़ रही है। संसार को मिलकर इस ऊर्जा कि ओर बढ़ना पड़ेगा।

भारत ने ~~पंचअमृ~~ ~~पंचअमृत~~ पंचामृत का आश्वासन देकर, नवीकरणीय ऊर्जा कि ओर एक बहुत बड़ा कदम लिया है। और भी देशों को ~~यह~~ भारत की राह पर चलकर एक नवीकरणीय धरती की नींव रखनी चाहिए।

आप सौर ऊर्जा एवं पवन ऊर्जा की विवेचना कर सकते हैं।

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर स्पष्ट, सही और संक्षिप्त भाषा में दीजिए : 12·5·60

औपनिवेशिक शासन बेहिसाब आँकड़ों और जानकारियों के संग्रह पर आधारित था। अंग्रेजों ने अपने व्यावसायिक मामलों को चलाने के लिए व्यापारिक गतिविधियों का विस्तृत ब्योरा रखा था। बढ़ते शहरों में जीवन की गति और दिशा पर नज़र रखने के लिए वे नियमित रूप से सर्वेक्षण करते थे, सांख्यिकीय आँकड़े इकट्ठा करते थे और विभिन्न प्रकार की सरकारी रिपोर्टें प्रकाशित करते थे।

प्रारंभिक वर्षों से ही औपनिवेशिक सरकार ने मानचित्र तैयार करने पर खास ध्यान दिया। सरकार का मानना था कि किसी जगह की बनावट और भूदृश्य को समझने के लिए नक्शे जरूरी होते हैं। इस जानकारी के सहारे वे इलाके पर ज्यादा बेहतर नियंत्रण कायम कर सकते थे। जब शहर बढ़ने लगे तो न केवल उनके विकास की योजना तैयार करने के लिए बल्कि व्यवसाय को विकसित करने और अपनी सत्ता मजबूत करने के लिए भी नक्शे बनाये जाने लगे। शहरों के नक्शों से हमें उस स्थान पर पहाड़ियों, नदियों व हरियाली का पता चलता है। ये सारी चीजें रक्षा संबंधी उद्देश्यों के लिए योजना तैयार करने में बहुत काम आती है। इसके अलावा घाटों की जगह, मकानों की सघनता और गुंजायश तथा सड़कों की स्थिति आदि से इलाके की व्यावसायिक संभावनाओं का पता लगाने और कराधान (टैक्स व्यवस्था) की रणनीति बनाने में मदद मिलती है।

उन्नीसवीं सदी के आखिर से अंग्रेजों ने वार्षिक नगरपालिका कर वसूली के जरिए शहरों के रखरखाव के बारे पैसा इकट्ठा करने की कोशिशें शुरू कर दी थीं। टकरावों से बचने के लिए उन्होंने कुछ जिम्मेदारियाँ निर्वाचित भारतीय प्रतिनिधियों को भी सौंपी हुई थीं। आंशिक लोक-प्रतिनिधित्व से लैस नगरनिगम जैसे संस्थानों का उद्देश्य शहरों में जलापूर्ति, निकासी, सड़क निर्माण और स्वास्थ्य व्यवस्था जैसी अत्यावश्यक सेवाएँ उपलब्ध कराना था। दूसरी तरफ, नगरनिगमों की गतिविधियों से नए तरह के रिकॉर्ड्स पैदा हुए जिन्हें नगरपालिका रिकॉर्ड रूम में संभालकर रखा जाने लगा।

शहरों के फैलाव पर नज़र रखने के लिए नियमित रूप से लोगों की गिनती की जाती थी। उन्नीसवीं सदी के मध्य तक विभिन्न क्षेत्रों में कई जगह स्थानीय स्तर पर जनगणना की जा चुकी थी। अखिल भारतीय जनगणना का पहला प्रयास 1872 में किया गया। इसके बाद, 1881 से दशकीय (हर 10 साल में होने वाली) जनगणना एक नियमित व्यवस्था बन गई। भारत में शहरीकरण का अध्ययन करने के लिए जनगणना से निकले आँकड़े एक बहुमूल्य स्रोत है।

जब हम इन रिपोर्टों को देखते हैं तो ऐसा लगता है कि हमारे पास ऐतिहासिक परिवर्तन को मापने के लिए ठोस जानकारी उपलब्ध है। बीमारियों से होने वाली मौतों की सारणियों का अन्तहीन सिलसिला, या उम्र, लिंग, जाति एवं व्यवसाय के अनुसार लोगों को गिनने की व्यवस्था से संख्याओं का एक विशाल भंडार मिलता है जिससे सटीकता का भ्रम पैदा हो जाता है। लेकिन इतिहासकारों ने पाया है कि ये आँकड़े भ्रामक भी हो सकते हैं। इन आँकड़ों का इस्तेमाल करने से पहले हमें इस बात को अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि आँकड़े किसने इकट्ठा किए हैं, और उन्हें क्यों तथा कैसे इकट्ठा किया गया था। हमें यह भी मालूम होना चाहिए कि किस चीज को मापा गया था और किस चीज को नहीं मापा गया था।

(a) औपनिवेशिक शासन चलाने के
(b) औपनिवेशिक शासकों के लिए मानचित्र क्यों महत्त्वपूर्ण थे?
(c) औपनिवेशिक अभिलेखों के माध्यम से शहरीकरण का अध्ययन किस प्रकार किया जा सकता है?
(d) इतिहासकार आँकड़ों को सदैव अहानिकर क्यों नहीं मानते?
(e) औपनिवेशिक शासकों की करों से संबंधित नीति क्या थी?

(a) औपनिवेशिक शासन चलाने के लिए अंग्रेजों ने आँकड़ो का ~~इस्तमाल~~ इस्तेमाल किया। इन आँकड़ो का बहुत महत्व था — व्यापारिक गतिविधियों के आँकड़े व्यावसायिक मामलों को चलाने के लिए ज़रुरी थे। आँकड़ो और रिपोर्टों से शहर की गति और दिशा पर नज़र रखा जाता था जिससे बेहतर नियंत्रण हो पाता।

(b) औपनिवेशिक सरकार के लिए मानचित्र महत्वपूर्ण थे क्योंकि उनका यह मानना था कि किसी जगह की बनावट और भूदृश्य के आधार पर बने नक्शे से उस इलाके पर बेहतर नियंत्रण रखा जा सकता है।

मानचित्र से बढ़ते शहरों के व्यवसाय को विकसित किया जाता था। इससे अंग्रेज़ अपनी सत्ता भी मजबूत करते थे क्योंकि वो नक्शों को रक्षा संबंधी उद्देश्य के लिए उपयोग करते थे

(c) औपनिवेशिक अभिलेखों से हमे शहरीकरण की व्यवस्था का एक विशाल भंडार मिलता है। बीमारियों से होने वाली मौत, उम्र, लिंग, जाति एवं व्यवसाय - इन सबका रिकॉर्ड मिलता है। 1872 के पहले प्रयास से, 1881 से दशकीय जनगणना से निकले आँकड़े आज हमें इन सब आँकड़ो के बदलाव और विकास को समझने मे मदद करती है।

(d) इतिहासकार आँकड़ों के विशाल भंडार को सदैव अहानिकर नहीं मानते क्योंकि उन्होंने ये पाया है कि आँकड़े भ्रामक भी हो सकते है। इन आँकड़ों को किसने, क्यूँ और कैसे इकट्ठा किया है यह पता होना आवश्यक है। कुछ चीजों को मापा गया, कुछ को नहीं - इन सबसे आँकड़ो कि सटीकता का भ्रम टूटता है। टूटता है।

(e) औपनिवेशिक शासक ने करों से संबंधित एक नीति बनाई थी। टकरावों से बचने के लिए उन्होंने कुछ जिम्मेवारियाँ निर्वाचित भारतीय प्रतिनिधियों को सौंप दिया था। इससे शहरों के उद्देश्य के साथ नए रिकार्ड्स भी पैदा हुए जिससे नियंत्रन बनाना और भी आसान हो गया।